G.G.D.C. Budaun

Manisha Bhushan
Asstt. Prof.

Sociology Notes – B.A. II

आत्महत्या की समस्या (Problem of Suicide)

प्रत्येक समाज में हत्या एवं आत्महत्या की घटनाएँ कुछ न कुछ सीमा तक सदैव पाई जाती है। अधिकांश देशों के विभिन्न समाजशास्त्रियों की ऐसी हिंसक घटनाओं के प्रति अध्ययन में सदैव विशेष रुचि रही है। आत्महत्या के अध्ययन में दुर्खीम का आत्महत्या का सिद्धान्त आज एक वैज्ञानिक सिद्धान्त माना जाता है। सामान्यत: व्यक्ति के स्वयं के प्रयत्नों द्वारा घटित मृत्यु ही आत्महत्या है। आत्महत्या किसी भी व्यक्ति की ऐसी क्रिया है जिसमें वह अपने जीवन का अन्त करने के लिए तत्पर हो जाता है। वास्तव में आत्महत्या व्यक्ति का अत्यधिक नाजुक एवं व्यक्तिगत निर्णय हैं। यह आकस्मिक न होकर पूर्वनियोजित है, जिसकी योजना गुप्त रूप से बनाई जाती है। जिसके बारे में आत्महत्या करने वाला व्यक्ति अपने मित्रों तथा परिवार के सदस्यों से बात तक नहीं करता तथा इसलिए यह एक व्यक्तिगत निर्णय है।

आत्महत्या का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definitions of Suicide)

आत्महत्या का अभिप्राय स्वयं अपनी इच्छा से अपना जीवन जीवन समाप्त कर देना है। दुर्खीम का मत है कि आत्महत्या एक ऐसा शब्द है जिसका कि प्रयोग हम रोज की बोलचाल में अत्यधिक करते हैं। दुर्खीम के अनुसार आत्महत्या निश्चित रूप से एक सामाजिक घटना है। अपनी "Le Suicide" नामक पुस्तक में एकत्रित आंकड़ों के आधार पर ही उन्होंने यह प्रमाणित करने का प्रयत्न किया है।

Scanned with CamScanner

परिभाषा — प्रमुख विद्वानों द्वारा आत्महत्या की परिभाषाएं निम्न प्रकार से दी गई हैं —

1. **दुर्खीम** के अनुसार — "आत्महत्या शब्द का प्रयोग मृत्यु के उन सभी प्रकारों के लिए किया जाता है जो कि प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के सकारात्मक अथवा नकारात्मक कार्य का परिणाम है, जिसके बारे में वह (व्यक्ति) जानता है कि वह कार्य इसी परिणाम (मृत्यु) को उत्पन्न करेगा।" यदि आत्महत्या के प्रयास में व्यक्ति बच जाता है तो इसे आत्महत्या न कहकर 'आत्महत्या का प्रयास' कहा जाता है।

2. **कैवन** के अनुसार — "आत्महत्या स्वेच्छा से अपनी जीवन लीला समाप्त करने हेतु अथवा मृत्यु द्वारा आतंकित होने पर अपने जीवन को बचाने में असमर्थता है।"

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर आत्महत्या के तीन तत्व स्पष्ट होते हैं —

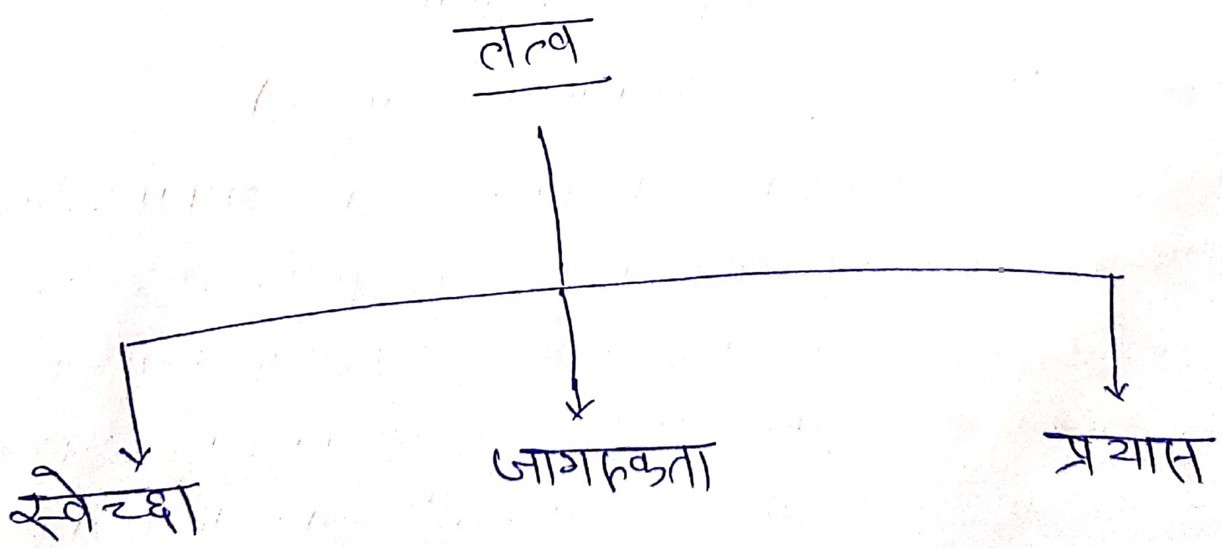

Scanned with CamScanner

आत्महत्या की विधियाँ
(Methods of Suicide)

1.— विषपान
2. डूब मरना (कुएँ, तालाब, नहर, नदी, समुद्र आदि में कूदकर डूब मरना),
3. फांसी डालना अर्थात रस्सी का फन्दा बाँधकर लटक जाना,
4. बिजली के जीवित तार को छू लेना,
5. नींद की अत्याधिक गोलियाँ खा लेना,
6. कट कर मरना (जानबूझकर रेलगाड़ी बस या ट्रक के आगे कूद कर मर जाना),
7. जलकर मरना (स्वयं मिट्टी का तेल या पेट्रोल डालकर आत्मदाह)
8. रिवाल्वर पिस्तौल या बन्दूक आदि से खुद को गोली मार लेना,
9. तेज धार वाली छुरी या चाकू से स्वयं पर प्रहार)
10. कई मंजिली इमारत से कूद कर प्राण दे देना,
11. हीरे की कणी चाट लेना तथा
12. गैस द्वारा दम घोंट लेना (अंगीठी के धुएँ से दम घोंट लेना)।

आत्महत्या के कारण (Causes of Suicide)

1. वैयक्तिक कारण (Individual or Personal Causes)

1. शारीरिक दोष (यथा अपंगता, लंगड़ापन, लूलापन आदि),
2. शारीरिक व्याधियां (यथा क्षय, कैंसर या लाइलाज बिमारियां),
3. मानसिक स्वभाव (यथा क्रोधी, भावुक या आमोदप्रिय स्वभाव),
4. मानसिक व्याधियां (यथा पागलपन, विकृति, मानसिक दुर्बलता आदि)
5. संवेगात्मक अस्थिरता

Scanned with CamScanner

6. हीनता की भावना
7. निराशा एवं असफलता
8. जुआ, मद्यपान, यौन स्वच्छन्दता आदि व्यसन।

2. पारिवारिक कारण (Family causes)

1. भग्न (Broken) या टूटे परिवार,
2. परिवार में कलह
3. दुखी एवं असामंजस्यपूर्ण दाम्पत्य जीवन,
4. रोमांस तथा
5. सदस्यों का दुर्व्यवहार।

3. धार्मिक कारण (Religious causes)

1. धार्मिक रूढ़ियाँ, प्रथाएँ एवं कुरीतियाँ तथा
2. धार्मिक दृष्टिकोण।

4. सामाजिक कारण (Social causes)

1. दोषपूर्ण सामाजीकरण,
2. सामाजिक एकता का अभाव,
3. दहेज, रोमांस, विधवा विवाह निषेध, पद की हानि तथा
4. युद्ध।

5. आर्थिक कारण (Economic causes)

1. निर्धनता,
2. बेरोजगारी,
3. अत्याधिक महँगाई
4. भ्रष्टाचार तथा
5. व्यापार में असफलता।

Scanned with CamScanner

6. पारिस्थितिकीय कारण (Ecological Causes)

1. भौगोलिक कारण (यथा मौसम),
2. प्राकृतिक विपत्तियां (यथा बाढ़, अकाल आदि),
3. नगरीकरण के कारण उत्पन्न व्यावसायिक दुर्गुण तथा
4. जनसंख्या में अत्यधिक गतिशीलता।

दुर्खीम के अनुसार आत्महत्या के कारण

1. आत्महत्या की दरें वर्ष प्रति वर्ष लगभग समान रहती हैं।
2. आत्महत्या की दरें जाड़ों की अपेक्षा गर्मियों में अधिक (ऊँची) होती हैं।
3. स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों में आत्महत्याएं अधिक पाई जाती हैं।
4. बड़ों (Older) में छोटों (Youngers) की अपेक्षा अधिक आत्महत्याएँ पाई जाती हैं।
5. ग्रामीण समूहों की अपेक्षा नगरवासियों में आत्महत्याएं अधिक घटित होती हैं।
6. नागरिकों की तुलना में सैनिकों में आत्महत्या दर अधिक होती हैं।
7. कैथोलिक मतावलम्बियों की अपेक्षा प्रोटेस्टैण्ट मतावलम्बी अधिक आत्महत्या करते हैं।
8. विवाहितों की तुलना में अविवाहित, तलाक प्राप्त या विधवा/विधुर व्यक्तियों में आत्महत्या अधिक पाई जाती हैं।
9. विवाहितों में भी निःसन्तान, सन्तान वाले व्यक्तियों की अपेक्षा अधिक आत्महत्याएं पाई जाती हैं।

दुर्खीम के अनुसार आत्महत्याओं के प्रकार

दुर्खीम द्वारा बताई गई आत्महत्याओं का वर्गीकरण कारणों के आधार पर किया गया है। दुर्खीम द्वारा बताई गई तीन प्रकार की आत्महत्याएं निम्नलिखित हैं —

Scanned with CamScanner

1. अहंवादी आत्महत्या — अति व्यक्तिवाद एवं अहं के परिणामस्वरूप। अकेलापन एवं सामाजिक पृथक्करण का परिणाम है।

2. परार्थवादी आत्महत्या — समाज अथवा समूह में अत्यधिक एकता एवं घनिष्ठता का परिणाम है। हिन्दुओं में पाई जाने वाली सती प्रथा एवं जौहर प्रथा इस आत्महत्या का ही एक उदाहरण है।

3. अप्रतिमानित अथवा आदर्शविहीनता पर आधारित आत्महत्या — आर्थिक सन्तुलन में तीव्र परिवर्तन अथवा आकस्मिक आर्थिक उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप होने वाली आत्महत्या है। (यथा दिवालियेपन की स्थिति)

दुर्खीम के आत्महत्या संबंधी विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन

दुर्खीम ने आत्महत्या की परिभाषा में व्यक्ति के इरादे को महत्वपूर्ण बना दिया है। इस परिभाषा के आधार पर आँकड़ों का संकलन करना कठिन है। उनका अध्ययन पद्धतिशास्त्र की दृष्टि से दोषपूर्ण हो जाता है। दुर्खीम ने आत्महत्या और बलिदान के बीच अर्थपूर्ण अन्तर की रेखा को मिटा दिया, जबकि समाज में दोनों को अलग-2 समझा जाता है। (यथा देश पर मर मिटने वाले शहीद)

दुर्खीम के आत्महत्या के विश्लेषण एवं अध्ययन में कुछ कमियां हो सकती हैं परन्तु उनका अध्ययन आज भी अद्वितीय है। बाद में भी अनेक समाजशास्त्रियों ने आत्महत्या पर अध्ययन किये लेकिन कोई भी इस क्षेत्र में ऐसा योगदान नहीं कर पाया जो दुर्खीम के सिद्धान्त को अप्रासंगिक बना देता। समाजशास्त्रिय साहित्य में यह पहला सांख्यिकीय अध्ययन था। इस दृष्टि से यह मार्गदर्शक और अत्यधिक महत्वपूर्ण अध्ययन रहा है।

संदर्भ सूची :—

1. समाजशास्त्र; डॉ॰ धर्मवीर महाजन एवं डॉ॰ कमलेश महाजन (विवेक प्रकाशन-2018)

2. सामाजिक विचारक; रविन्द्रनाथ मुखर्जी (बालाजी ऑफसेट-2008)

Scanned with CamScanner